

प्रेषक,

कुँवर सिंह  
अपर साचिव  
उत्तरांचल शारान

सेवा में,

मुख्य महाप्रबन्धक  
उत्तरांचल जल संस्थान  
देहरादून।

पेयजल अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: 12 मई, 2006

विषय राज्य सौक्टर के अन्तर्गत हैण्डपम्पों के अधिष्ठापन हेतु वर्ष  
2006-07 में वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके कार्यालय के पत्र संख्या 5753/ धनावंटन  
/2005-06 दिनांक 27.02.06 एवं पत्र संख्या 490/है0प0 अधि/2006-07  
दिनांक 02 मई, 2006 के सन्दर्भ में के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश  
हुआ है कि वर्तमान में पेयजल की तात्कालिक आवश्यकता के दृष्टिगत वित्तीय  
वर्ष 2006-07 में निम्नलिखित जनपदवार विवरणानुसार 1150 हैण्डपम्पों के  
अधिष्ठापन हेतु रु0 2239.20 लाख (रु0 बाइस करोड़ उन्तालीस लाख बीस  
हजार मात्र) की कार्ययोजना पर अनुमोदन प्रदान करते हुए चालू वित्तीय वर्ष  
2006-07 में रु0 800.00 लाख (रु0 आठ करोड़ मात्र ) की धनराशि व्यय हेतु  
आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।  
(धनराशि रु0 लाख में)

| क्र०सं० | जनपद              | अभावग्रस्त क्षेत्रों हेतु प्रस्तावित |                                 | स्वीकृत धनराशि |
|---------|-------------------|--------------------------------------|---------------------------------|----------------|
|         |                   | हैण्डपम्पों<br>की संख्या             | अनुमानित लागत<br>(सेन्टेज सहित) |                |
| 1       | पौड़ी             | 200                                  | 394.31                          | 140.00         |
| 2       | चमोली             | 100                                  | 197.16                          | 70.00          |
| 3       | रूद्रप्रयाग       | 75                                   | 147.87                          | 50.00          |
| 4       | टिहरी             | 125                                  | 246.44                          | 85.00          |
| 5       | उत्तकाशी          | 100                                  | 197.16                          | 70.00          |
|         | <b>योग गढ़वाल</b> | <b>600</b>                           | <b>1182.94</b>                  | <b>415.00</b>  |
| 6       | नैनीताल           | 150                                  | 267.63                          | 105.00         |
| 7       | अल्मोड़ा          | 200                                  | 394.31                          | 140.00         |
| 8       | पिथौरागढ़         | 100                                  | 197.16                          | 70.00          |
| 9       | धम्पावत           | 50                                   | 98.58                           | 35.00          |
| 10      | वागेश्वर          | 50                                   | 98.58                           | 35.00          |
|         | <b>योग कुमायू</b> | <b>550</b>                           | <b>1056.26</b>                  | <b>385.00</b>  |
|         | <b>कुल योग</b>    | <b>1150</b>                          | <b>2239.20</b>                  | <b>800.00</b>  |

2- प्रस्तर-1 में स्वीकृत धनराशि मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तरांचल जल संस्थान के हस्ताक्षर तथा जिलाधिकारी, देहरादून के प्रतिहस्ताक्षर युक्त बिल जनपद देहरादून के कोषागार में प्रस्तुत करके आवश्यकतानुसार ही तत्काल आहरित की जायेगी। धनराशि का आहरण पूर्व स्वीकृत धनराशि का 80 प्रतिशत उपयोग करने के उपरान्त ही किया जायेगा तथा आहरण के तुरन्त बाद बिल बाउचर संख्या एवं दिनांक की सूचना शासन एवं महालेखाकार को उपलब्ध कराई जायेगी।

3- धनराशि आहरण के उपरान्त शीर्षप्राथमिकता के आधार पर सम्बन्धित जनपदों को अवमुक्त करते हुए इसकी सूचना दिनांक 31 मई, 2006 तक शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाय।

4- हैण्डपम्पों के अधिष्ठापन के सम्बंध में शासनादेश संख्या 3093/उन्तीस/05-2(50पे0)/2004 दिनांक 18 जनवरी, 2005 एवं शासनादेश संख्या 1016/उन्तीस/05-2-पे0/2005, दिनांक 15 अप्रैल, 2005 द्वारा दिये गये निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। (सुलभ सन्दर्भ हेतु छायाप्रतियाँ संलग्न)

5- स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2007 तक पूर्ण उपयोग कर कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण शासन को उक्त तिथि तक उपलब्ध करा दिया जायेगा। कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति एवं धनराशि के उपयोग का विवरण मासिक रूप से शासन को भी उपलब्ध कराया जायेगा।

6- स्वीकृत धनराशि जिन मदों हेतु अवमुक्त की जा रही हैं, उन्हीं मदों में व्यय की जाय एक मद की राशि दूसरी मद में कदापि व्यय न की जाय।

7- कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित अधिशारी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।

8- स्वीकृत कार्यों की लागत के सापेक्ष सेटेंज चार्जेज नियमानुसार लिया जायेगा जो कि किसी भी दशा में 12.50 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।

7- स्वीकृत हैण्डपम्पों का अधिष्ठापन ऐसे स्थानों पर किया जायेगा जो क्षेत्र वास्तव में अभावग्रस्त हैं तथा इसका लाभ अधिक से अधिक जनसंख्या को प्राप्त हो सके।

9- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 में अनुदान संख्या 13 के अन्तर्गत लेखा शीर्षक 2215-जलपूर्ति तथा राफाई-01-जलपूर्ति-आयोजनागत- 101-शहरी जलपूर्ति कार्यक्रम-05-नगरीय पेयजल-91-हैण्डपम्पों का अधिष्ठापन-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता के नामे डाला जायेगा।

10 यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय सं० 58/XXVII-(2)/2006 दिनांक 12 मई, 2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोक्त

भवदीय

(कुँवर सिंह)

अपर सचिव

१११

संख्या— (1)/उन्तीरा/06-2(27पे0) 2006, तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल देहरादून ।
- 2- प्रबन्ध निदेशक, उत्तरांचल पेयजल निगम, देहरादून ।
- 3- मुख्य अभियन्ता, उत्तरांचल पेयजल निगम, पौड़ी/नैनीताल
- 4- मण्डलायुक्त गढ़वाल/कुमायूँ मण्डल ।
- 5- जिलाधिकारी, देहरादून एवं सम्बन्धित जनपद के जिलाधिकारी ।
- 6- महाप्रबन्धक उत्तरांचल जल संस्थान, पौड़ी/नैनीताल ।
- 7- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून
- 8- निजी सचिव मा० मुख्य मंत्री
- 9- वित्त अनुभाग-3/वित्त बजट सेल/नियोजन प्रकोष्ठ ।
- ✓ 10- निदेशक, एन०आई०सी० सचिवालय परिसर, देहरादून ।

आज्ञा से

(नवीन सिंह तड़ागी)

✓ उप सचिव